

आप यहाँ हैं! [होम](#) > [HEALTH AND TRAVEL](#) > [दोनों कानों से सुनने में अक्षम 8 महीने के बच्चे की...](#)

दोनों कानों से सुनने में अक्षम 8 महीने के बच्चे की सफल सर्जरी



अ | अ- | अ+

मेल करें

ट्विट करें

लिंक करें

IANSLive

[होम](#)

[राष्ट्रीय](#)

[खेल](#)

[अंतर्राष्ट्रीय](#)

[व्यापार](#)

[मनोरंजन](#)

[विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी](#)

[f](#)

[t](#)

[in](#)

[v](#)

[e](#)

[r](#)

पृष्ठ को प्रिंट करें
और भी हूँ

[संबंधित समाचार](#)

[संबंधित विषय](#)

[स्वास्थ्य और यात्रा](#)

वीडियो गैलरी

Public Review | Simmba |...



YouTube 598K

आज का दिन



ARIES

Big group projects or partnerships should go quite well if you start them today. Your energy is just

right for making sure that people are working smoothly as a team.

--आईएनएस

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर (आईएनएस)| इन्द्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में दोनों कानों से सुनने में अक्षम आठ महीने के बच्चे की कॉक्लियर इम्प्लान्ट की मदद से सफल सर्जरी की गई। इस सर्जरी के साथ यह बच्चा एन7 डिवाइस से युक्त बाईलेटरल साईमलटैनियस कॉक्लियर इम्प्लान्ट का इस्तेमाल करने वाला देश का सबसे कम उम्र का मरीज बन गया है। नई दिल्ली के इन्द्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के ईएनटी स्पेशलिस्ट/ ओटोहीनोलैरिंगोलोजिस्ट के सीनियर कन्सलटेन्ट डॉ. अमित किशोर ने कहा, "इतनी कम उम्र में अगर किसी बच्चे को ठीक से सुनाई न दे तो जल्द से जल्द इलाज करना बहुत जरूरी होता है।"

उन्होंने कहा, "इस बच्चे के मामले में कॉक्लियर इम्प्लान्ट की मदद से ही ऐसा संभव था। इस मामले में हमें बाईलेटरल साईमलटैनियस कॉक्लियर इम्प्लान्ट का इस्तेमाल करना था, यानी दोनों कानों में एक साथ इम्प्लान्टेशन करना जरूरी था।"

उन्होंने कहा, "आठ महीने और मात्र 10 किलो वजन के छोटे बच्चे में इस तरह की सर्जरी के लिए खास विशेषज्ञता की जरूरत होती है। इसीलिए लोग इतने छोटे बच्चों की सर्जरी करवाने से घबराते हैं। हालांकि तकरीबन 1,000 कॉक्लियर इम्प्लान्ट्स के अनुभव के साथ हम इतने छोटे बच्चे में इस तरह की सर्जरी करने में सक्षम हैं।"

उन्होंने बताया कि बच्चे के माता-पिता ने आधुनिक कॉक्लियर इम्प्लान्ट न्युकलियस 7 (एन7) डिवाइस लगवाने का फैसला लिया। इसी के साथ यह बच्चा एन7 डिवाइस से युक्त बाईलेटरल साईमलटैनियस कॉक्लियर इम्प्लान्ट का इस्तेमाल करने वाला देश का सबसे कम उम्र का मरीज बन गया है।

डॉ किशोर ने बताया, "वह संभवतया देश में सबसे कम उम्र का मरीज है जिसमें बाईलेटरल साईमलटैनियस कॉक्लियर इम्प्लान्ट किया गया है और निश्चित रूप से अपोलो के बाइलेटरल कॉक्लियर इम्प्लान्ट प्रोग्राम का भी सबसे छोटा मरीज है।"

डॉ किशोर ने बताया कि इम्प्लान्टेशन सर्जरी में किसी तरह की जटिलता नहीं रही, सर्जरी बिल्कुल ठीक हुई। सर्जरी के बाद ऑडियोलोजिस्ट्स ने एसपीहियर क्लिनिक में एन7 डिवाइस को बदला है, जहां उसे हियरिंग और स्पीच थेरेपी भी दी जा रही है।

© 2018 आईएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। किसी भी रूप में कहानी / फोटोग्राफ के प्रजनन कानूनी कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगा।

समाचार, विचार और गपशप के लिए, अनुगमन करें @IANSLIVE at ट्विटर हमें यहाँ तलाशें फेसबुक पर भी!

अंतिम नवीनीकृत: 27 दिसंबर, 2018

We were unable to load Disqus. If you are a moderator please see our [troubleshooting guide](#).

IANSLive



ANDROID APP ON
Google play



Click here for



हमारे बारे में गोपनीयता नीति हमारे साथ विज्ञापन

© 2018 आईएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड.

हमें बुकमार्क करना ना भूलें! (CTRL-D)
साइट द्वारा डिज़ाइन किया गया: आईएनएस